आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date: 14-01-15

हम भाग्यशाली आत्माओं को ईश्वरीय पढ़ाई पढाकर, आप समान मास्टर सुख कर्ता बनाने वाले, दुख हर्ता, सुख कर्ता बेहद के बाप ने कहा, मीठे बच्चे - तुम्हारा एक-एक बोल बहुत मीठा फस्टॅक्लास होना चाहिए, जैसे बाप दुख हर्ता, सुख कर्ता है, ऐसे बाप समान सबको सुख दो.

यह तो हम जानते है कि मन-वचन-कर्म से जो भी कर्म करते है उसका सबका हिसाब जरूर बनता ही हैं. कोई भी कर्म करने से पहले उस कर्म का संकल्प हमारे मन में जरूर उठता है बाद में वचन में आता है और फिर कर्म करते हैं. आज बाबा हमें अपनी वाणी को मधुर बनाना सिखलाते हैं क्योंकि हम जो बोलते है उसका ही प्रभाव सामने वाले पर पड़ता हैं. बाबा हमें राजयोग की पढ़ाई द्वारा श्रेष्ठ कर्म करना सिखलाते है. बाबा सिखलाते है कि बच्चों का हर कर्म सुख देने वाला हो. इसलिए बाबा कहते है आप कोई भी मित्र-सम्बन्धी या किसी से भी सम्पर्क में आते हो तो उनसे बहुत नम्रता से, प्रेम भाव से मुस्कराते हुए बात करनी चाहिए. हमारे बोल दूसरों को सुख देने वाले हो. कई भाईं ओ का अनुभव है कि बाबा का बनने के बाद उनके बोल और कर्म में इतना बदलाव आया कि उनके मित्र-सम्बन्धी भी उसे प्रभावित होकर बाबा के ज्ञान में आये है, यह भी एक बहुत अच्छी सेवा है.

आज की मीठे बाबा की मुरली से कुछ मधुरता भरे महा-वाक्यों को हमारी आत्मिक अवस्था बनाकर बाप की याद में पढ़ेंगे.

- बाबा कहते हैं भक्ति मार्ग में मनुष्य पुकारते है - बाबा आओ, हमें दुखों से मुक्त करो. तो बाप भी सुनते है और ड्रामा अनुसार आते भी है बिल्कुल पूरे टाइम पर. बाप जैसे ऐक्यूरेट है वैसे तुम बच्चों को भी ऐक्यूरेट बनाते है.

- बाबा कहते हैं मैं आया हूँ पतितो को पावन बनाने. बाप ही पतित पावन है. मैं आया हूँ तुम्हारे दुखो कि सुनवाई करने. फिर मैं तुम्हें पावन बनने का रास्ता भी सहज बताता हूँ. कहता हूँ अपने को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो तो पतित से पावन बन जायेंगे.

- बाबा कहते हैं तुम्हारी आत्मा मुझ बाप को ही याद करती है - बाबा आप आओ तो हम शान्तिधाम में जाकर निवास करें. अभी तुम बच्चों का है साइलेन्स का बल, उनके पास है सांइस का बल. तुम इस साइलेन्स के बल से, योग बल से सांइस पर विजय पाते हो.

- बाबा कहते हैं तुम्हारे मुख से जो भी बोल निकलते हैं वह एक-एक बोल ऐसे फस्टक्लास मीठे हों जो सुनने वाले खुश हो जाए. जैसे बाप दुख हर्ता सुख कर्ता है, ऐसे तुम बच्चों को भी सबको सुख देना है. कायदे अनुसार सबसे चलना है. बड़ों के साथ प्यार से चलना है. तुम्हें सबसे बहुत प्यार से बात करनी है.

- बाबा कहते हैं मनमनाभव. ऊंच ते ऊंच मैं हूँ. मुझे याद करने से तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे. मुझे रुद्र भी कहते हैं. मैं ही आकर यह ज्ञान यज्ञ रचता हूँ. तुम्हें राजाई प्राप्त कराने के लिए ज्ञान और योग सिखलाता हूँ.

- बाबा कहते हैं भगवानुवाच मामेकम याद करो क्योंकि अभी सबकी अन्त घड़ी है, वानप्रस्थ अवस्था है. सबको वापिस जाना है. मरने समय मनुष्य को कहते हैं ना ईश्वर को याद करो. यहाँ ईश्वर स्वयं कहते हैं मौत सामने खड़ा है, इनसे कोई बच नहीं सकते. अन्त में ही बाप आकर कहते हैं कि बच्चे मुझे याद करो तो तुम्हारे पाप भस्म हो जाएं, इनको याद की अग्नि कहा जाता है. बाप गैरेन्टी करते हैं कि इससे तुम्हारे पाप दग्ध होंगे.

- बाबा कहते हैं मैं ही आकर तुम्हें सारी सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त की नॉलेज देता हूँ और कोई तुम्हें यह नॉलेज दे नहीं सकते. मैं तुम्हें सत्य बताता हूँ. यह भक्ति तो तुमने जन्म-जन्मांतर की है, अब ज्ञान शुरु होता हैं. भक्ति है रात, ज्ञान है दिन.

- बाबा कहते हैं मैं ही ऊंच ते ऊंच भगवान हूँ. मैं ही रचयिता हूँ, बाकी सब हैं मेरी रचना. मैं आता ही हूँ तुम बच्चों को सुख-शांति का वर्सा देने. मैं ही सर्व का सद्गति दाता हूँ. मुझको याद करने से ही तुम पतित से पावन बनते हो. मैं ही आकर तुम्हें यह राजयोग सिखलाकर स्वर्ग का वर्सा देता हूँ.

- बाबा कहते हैं तुम्हें ग्रहस्थ व्यवहार में रहते हुए कमल फूल समान पवित्र रहना है और एक बाप को ही याद करना है. जितना हो सके बाप को याद करो. बाप की याद से ही तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे और तुम फिर से सतोप्रधान बन जायेंगे.

ॐ शांति.

Feedbacks/Queries/Suggestions to Atma Bhai on email
a.brahmin.soul@gmail.com.